सौदा ◆ पेट्रोलियम कंपनियों को होगी 44 लीटर एथनॉल की सप्लाई

एथनॉल पर फैसले में देरी से चीनी मिलों को नुकसान

मिलों को 27 रुपये प्रति लीटर के अंतरिम रेट पर ही करनी होगी आपूर्ति

बिजनेस भास्कर ◆ नई दिल्ली

चालू पेराई सीजन वर्ष 2011-12 (अक्टूबर से सितंबर) के लिए चीनी उद्योग पेट्रोलियम कंपनियों को 43.55 करोड़ लीटर एथनॉल की सप्लाई करेगा। हालांकि सरकार द्वारा एथनॉल की कीमतों पर फैसला लेने में देरी की वजह से चीनी मिलों को एथनॉल की सप्लाई अगस्त 2011 में तय किए गए अंतरिम मूल्य 27 रुपये प्रति लीटर के आधार पर ही करनी होगी।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के महानिदेशक अविनाश वर्मा ने बिजनेस भास्कर को बताया कि सरकार एथनॉल की कीमतों पर फैसला लेने में देरी कर रही है जिससे चीनी मिलों को अंतरिम मूल्य पर ही एथनॉल की सप्लाई करनी पड़ रही है। सरकार द्वारा गठित सौमित्र चौधरी समिति ने एथनॉल की कीमत पेट्रोल की कीमतों से लिंक करके तय करने की सिफारिश की है। शीरा और अन्य उत्पाद रेक्टीफाइड स्प्रिट, एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल की कीमत इस समय 33 से 35 रुपये प्रति लीटर है। जबकि चीनी मिलों को पेट्रोलियम कंपनियों को एथनॉल की सप्लाई सौमित्र चौधरी समिति द्वारा तय की गई की अंतरिम कीमत 27 रुपये प्रति लीटर के आधार पर करनी पड़ रही है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने पेट्रोल में मिश्रण के लिए 5 फीसदी एथनॉल अनिवार्य कर रखा है लेकिन इसका पूरी तरह से पालन नहीं हो रहा है। देश के लगभग 13 राज्यों में एथनॉल मिश्रण का कार्यक्रम चल तो रहा है लेकिन तमिलनाडु, बिहार, मध्यप्रदेश, झारखंड और राजस्थान में ये कार्यक्रम शुरू नहीं हो पाया है।

ऐसे में इन राज्यों की मांग हटा देने के बाद कुल करीब 60 करोड़ लीटर एथनॉल की आवश्यकता होगी। जबकि चालू पेराई सीजन में अभी तक पेट्रोलियम कंपनियां 43.55 करोड़ एथनॉल खरीद के सौदे कर चुकी है जिसमें से कंपनियों ने 17.02 करोड़ लीटर की सप्लाई मई मध्य तक कर दी है। पिछले पेराई सीजन में इस समय तक पेट्रोलियम कंपनियों ने 56.84 करोड़ लीटर एथनॉल खरीद के सौदे किए थे जिसमें से मई मध्य तक 36.48 लाख लीटर एथनॉल की सप्लाई की गई थी।

पेराई सीजन वर्ष 2011-12 में चीनी का उत्पादन बढ़कर 260 लाख टन होने का अनुमान है। ऐसे में शीरा का उत्पादन भी बढ़कर 125-130 लाख टन होने की संभावना है। जबकि पेराई सीजन 2010-11 में देश में चीनी का उत्पादन 243 लाख टन का हुआ था तथा शीरा का उत्पादन लगभग 108 लाख टन का हुआ था।

उत्पादन

पेराई सीजन 2011-12	पेराई सीजन 2010-11
चीनी उत्पादन 260 लाख टन होने का अनुमान	चीनी का उत्पादन 243 लाख टन का हुआ था
शीरा उत्पादन भी 125-130 लाख टन होने के आसार	शीरा उत्पादन लगभग 108 लाख टन का था